उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज

पाठ्यक्रम (SYLLABUS)

संगीत वादन–प्रवक्ता (माध्यमिक शिक्षा)

(विषय कोड–23)

तंत्र :

1. पारिभाषिक शब्दों की व्याख्या :–
   स्वर, चिकारी, खरज, तोड़ा, तिहाई, जमजमा, घसीट, जवारी, तार परन, विन्यास स्वर, संकीर्ण राग, सारिका, बाज, जनक राग, कृन्तन
2. वाद्य एवं उनका वर्गीकरण।
3. लय एवं लयकारी (दुगुन, तिगुन, चौगुन, आड़)।
4. रजाखानी गत, मसीतखानी गत, तोड़े, झाला को स्वरलिपिबद्ध करने की क्षमता।
5. दिए गए स्वरों के आधार पर रागों को पहचानने की क्षमता।
6. भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास।
7. भारतीय संगीतज्ञों–शारंगदेव, भातखण्डे, विष्णुदिगम्बर, पं० रविशंकर, विलायत खां– का विस्तृत जीवन परिचय एवं संगीत में उनकी देन।
8. अपने वाद्य के जन्म एवं विकास का विस्तृत अध्ययन।
9. अपने वाद्य के अंगों का विस्तृत अध्ययन।
10. वाद्य को मिलाने का ज्ञान।
11. अपने वाद्य के सभी घरानों एवं उनके विशिष्ट कलाकारों की वादन शैली का अध्ययन।
12. निम्नलिखित रागों का विस्तृत अध्ययन :–
    शुद्ध कल्याण, छायानट, जैजैवन्ती, पूरिया, मारवा, दरबारी कान्हड़ा, मियाँ मल्हार, तोड़ी, हिंडोल, बागेश्री, मधुवन्ती, जौनपुरी।
13. निम्नलिखित तालों का परिचय, ठेका तथा विभिन्न लयकारियों में लिखने का ज्ञानः– तीनताल, झपताल, एकताल, चारताल, धमारताल, गजझम्पा, आड़ाचारताल ।
14. भातखण्डे एवं विष्णुदिगम्बर स्वरलिपि पद्धति का विस्तृत अध्ययन।
15. हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटकी स्वरों की तुलना।

अवनद्ध :

1. पारिभाषिक शब्दों की व्याख्याः–
   पेशकारा, टुकड़ा, परन, तिहाई, तिपल्ली, उठान, चाला, फरमाइशी, लग्गी, गत, बोल बॉट, झूलना, कमाली चक्करदार, नौहक्का, श्रुति, स्वर, सप्तक।
2. वाद्य एवं उनका वर्गीकरण।

3. लय एवं लयकारी (दुगुन, तिगुन, चौगुन, 3/2 आड, 5/4 कुआड, 7/4 बिआड, 3/4 पौनगुन।
4. कठिन लयकारियों, कायदा, पेशकारा, टुकड़ा, परन, उठान, तिहाई, मुखड़ा आदि को ताललिपिबद्ध करने की क्षमता।
5. दिए गए बोलों के आधार पर तालों को पहचानने की क्षमता।
6. भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास।
7. भारतीय संगीतज्ञों– शारंगदेव, भातखण्डे, विष्णुदिगम्बर, उ० अहमद जान थिरकवा, पं० किशन, पं0 गुदई महाराज महाराज का विस्तृत जीवन परिचय एवं संगीत में उनकी देन।
8. अपने वाद्य के जन्म एवं विकास का विस्तृत अध्ययन।
9. वाद्य के अंगों का विस्तृत अध्ययन।
10. वाद्य को मिलाने का ज्ञान।
11. अपने वाद्य के सभी घरानों एवं उनके विशिष्ट कलाकारों की वादनशैली का अध्ययन ।
12. निम्नलिखित तालों का विस्तृत अध्ययनः–
    तीनताल, झपताल, एकताल, रूपक ताल, आड़ाचारताल, दीपचंदी ताल, पंचमसवारी ताल, शिखर, ब्रह्म, रूद्र, गजझम्पा, चारताल, धमार, लक्ष्मी, कहरवा, दादरा।
13. भातखण्डे एवं विष्णुदिगम्बर ताललिपि पद्धति का विस्तृत अध्ययन।
14. ताल के दस प्राणों की विस्तृत व्याख्या।
15. कर्नाटक ताल पद्धति का विस्तृत अध्ययन।

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग

23 एलनगंज, प्रयागराज–211002

Syllabus :- Music Instrumental – Lecturer (Secondary Education)

(Subject code) - 23

String Instruments (Tantra)

1. Explanation of technical terms:

   Swara (note), Chikari, Kharaj, Tora, Tihai, Jamjama, Ghaseet, Jawari, Tar Paran, Vinyas Swara, Sankirna Raga, Sarika, Baaj, Janak Raga, Krintan.

2. Musical instruments and their classification.
3. Laya and layakari (Dugun, Tigun, Chaugun, Aad).
4. Ability to notate Rajakhani Gat, Masitkhani Gat, Todal, and Jhala.
5. Ability to identify ragas based on given notes.
6. Brief history of Indian music.
7. Detailed life introduction and contribution to music of Indian musicians

   Sharangdeva, Bhatkhande, Vishnu Digambar,

   Pt.Ravi Shankar, Vilayat Khan.

8. Detailed study of the origin and development of one's instrument.
9. Detailed study of the parts of one's instrument.
10. Knowledge of tuning the instrument.
11. Study of all gharanas of one's instrument and the playing styles of their distinguished artists.
12. Detailed study of the following ragas:

    Shuddha Kalyan, Chhayanat, Jaijaivanti, Puriya, Marwa, Darbari Kanada, Miyan Malhar, Todi, Hindol, Bageshri, Madhuwanti, Jaunpuri.

13. Introduction, Theka, and writing in different layakaris of the following taals: Teentaal, Jhaptal, Ektal, Chartaal, Dhamartaal, Gajjhampa, Ada Chautaal.
14. Detailed study of the notation systems of Bhatkhande and Vishnu Digambar.
15. Comparison between Hindustani and Carnatic musical notes.

Percussion Instruments (Avanaddha)

1. Explanation of technical terms:

   Peshkar, Tukda, Paran, Tihai, Tripalli, Uthan, Chala, Farmaishi, Laggi, Gat, Bol Bant, Jhoolna, Kamali Chakradar, Nauhakka, Shruti, Swara, Saptak.

2. Musical instruments and their classification.
3. Laya and Layakari Dugun, Tigun, Chaugun, 3/2 Aad 5/4 Kuad, 7/4 Biad, and 3/4 Paungun.

4. Ability to notate difficult layakaris, kayada, peshkara, tukda, paran, uthan, tihai, mukhda, etc. in taal notation.
5. Ability to identify taals on the basis of the given bols.
6. Brief history of Indian music.
7. Detailed life introduction of Indian musicologists — Sharangadeva, Bhatkhande, Vishnu Digambar, Ut Ahmad Jan Thirakwa, Pandit Kishan Maharaj, Pandit Gudai Maharaj — and their contribution to music.
8. Detailed study of the origin and development of one's instrument.
9. Detailed study of the parts of the instrument.
10. Knowledge of tuning the instrument.
11. Study of all gharanas of one's instrument and the playing styles of their distinguished artists.
12. Detailed study of the following taals —

    Teentaal, Jhaptaal, Ektaal, Roopak Taal, Ada Chautaal, Deepchandi Taal, Pancham Sawari Taal, Shikhar, Brahma, Rudra, Gaj Jhampa, Chartaal, Dhamar, Lakshmi, Kaharwa, Dadra.
13. Detailed study of the taal notation systems of Bhatkhande and Vishnu Digambar.
14. Detailed explanation of the ten pranas of taal.
15. Detailed study of the Carnatic taal system